हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

14 ढाई करोड़ की लागत से जगमग होंगी शहर की सड़के, लगेंगे डेकोरेटिव पोल

14 गणना प्रपत्रों का ए पर डिजिटाइजेशन एसआईआर प्रक्रिया का अहम हिस्सा

बहादुरगढ़ में बड़ी वारदात करने आए थे शूटर !

वारदात से पहले ही एनकाउंटर में ढेर हुए दोनों इनामी बदमाश, घायल पुलिसकर्मियों का उपचार जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसटीएफ बहादुरगढ़ और दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम द्वारा एनकाउंटर में मारे गए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दोनों गुर्गे बहादुरगढ़ में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। फिलहाल मामले में सामने आया है कि दोनों को लॉरेंस सिंडिकेट के हैरी बॉक्सर ने बहादुरगढ़ भेजा था। यहां रंगदारी संबंधित एक मामले में किसी को ठिकाने लगाने की मंशा से हथियारों से लैस होकर आए थे। इससे पहले कि अपने मंसूबों में कामयाब होते, एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने बालौर बाईपास पर मुठभेड़ में दोनों को ढेर कर दिया। वे किसको शिकार बनाने आए थे, इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम को सूचना मिली थी कि हिसार निवासी हिमांशु व प्रवेश बहादुरगढ़ क्षेत्र में छिपे हुए हैं और किसी बड़ी वारदात की तैयारी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर एसटीएफ बहादुरगढ़ और सीआईए की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम का नेतृत्व एसटीएफ प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश और सीआईए प्रभारी मनजीत ने किया। देर रात करीब 12 बजे बालौर बाईपास पर पुलिस का दोनों बदमाशों से सामना हुआ। पुलिस ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों ओर से दर्जनभर से अधिक गोलियां चलीं। मुठभेड़ में दोनों बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई।

बहादुरगढ़। एनकाउंटर के बाद बदमाशों के शवों को शवगृह में रखवाते पुलिसकर्मी।

एनकाउंटर में दो बदमाश ढेर

इस दौरान दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस के कांस्टेबल अंकित के पैर में गोली लगी। उन्हें उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं 4 अन्य पुलिसकर्मियों को भी गोलियां लगीं, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहनने के कारण उनकी जान बच गई। बता दें कि 11 जून को हांसी में जिम संचालक कपिल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी सोशल मीडिया पर लॉरेंस सिंडिकेट के हैरी बॉक्सर और सुंदर हांसी ने ली थी। जांच में हिमांशु और प्रवेश के नाम सामने आए थे। दोनों फरार चल रहे थे और उन पर एक-एक लाख रुपये का ईनाम घोषित किया गया था। वारदात की सूचना मिलते ही एसटीएफ हरियाणा के एसपी विक्रांत भूषण, डीसीपी मयंक मिश्रा समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। बदमाशों के कब्जे से हथियार बरामद किए गए हैं। दोनों शवों को नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। दोनों साधारण परिवार से थे। परिचितों के अनुसार, हिमांशु परिवार में इकलौता पुत्र था। ग्रेपलिंग का खिलाड़ी रह चुका था। पिता मजदूरी करते हैं। प्रवेश तीन बहनों का इकलौता भाई था। उसके पिता सब्जी बेचते हैं। अस्पताल में मौजूद मृतकों के परिजनों ने कार्रवाई पर कई तरह के सवाल भी उठाए। प्रवेश पर हत्या व अवैध हथियार के 3 केस दर्ज थे। जबकि हिमांशु पर हत्या का 1 केस दर्ज था। उधर, एसटीएफ एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि देर रात एसटीएफ और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम की लॉरेंस गैंग के बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें दोनों बदमाश मारे गए। बहादुरगढ़ में वे किस व्यक्ति को निशाना बनाने आए थे और उनके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका क्या है, इसकी जांच की जा रही है। बालौर बाईपास मुठभेड़ के संबंध में सदर थाना बहादुरगढ़ में मामला दर्ज कर लिया गया है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में महिला की मौत

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के पास एक महिला बाइक की चपेट में आ गई। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका की पहचान करीब 50 वर्षीय सुनीता के रूप में हुई है। यहां आदर्श नगर की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम को वह मेट्रो स्टेशन से उतरकर घर की ओर जा रही थी। इसी दौरान बाइक की चपेट में आ गई। उसे गंभीर चोट आई। नजदीक स्थित नागरिक अस्पताल में ले जाई गई। जहां से रेफर कर दी गई।

क्रेडिट कार्ड के नाम पर लगाई 2 लाख की चपत

बहादुरगढ़। क्रेडिट कार्ड बनवाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने बहादुरगढ़ के एक ज्योतिषाचार्य से 2 लाख 3 हजार रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने नया क्रेडिट कार्ड जारी कराने का झांसा देकर पीड़ित से एक एपीके फाइल डाउनलोड करवाई और उसमें क्रेडिट कार्ड की जानकारी भरवा ली। इसके बाद आरोपियों ने तीन अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2 लाख 3 हजार 499 रुपये निकाल लिए।

पीड़ित मूलतः दिल्ली से है और फिलहाल यहां नई बस्ती में रहता है। पीड़ित के अनुसार, वह अनाज मंडी बहादुरगढ़ में ज्योतिष एवं पुजारी का कार्य करते हैं। गत 13 जून 2026 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया।

विशेष लोक अदालत का आयोजन 18 जुलाई को

झज्जर। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार पूरे हरियाणा में आगामी 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष लोक अदालत में चेक बाउंस से संबंधित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झज्जर विशाल ने बताया कि जिन व्यक्तियों के चेक बाउंस से संबंधित मामले न्यायालयों में लंबित है और वे अपने मुकद्मे का समाधान आपसी सहमति से करवाना चाहते हैं वे अपने संबंधित न्यायालय में 17 जुलाई तक किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अपने मामले को विशेष लोक अदालत के लिए विचारअर्थ प्रस्तुत कर सकते हैं।

कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच संपन्न हुई एचटेट लेवल-2 व 1 की परीक्षा

लेवल-2 में 3641 व लेवल-1 में 1218 परीक्षार्थी रहे मौजूद

- ▶▶ लेवल-2 में 14 केंद्रों पर 4332 परीक्षार्थी में से 3641 रहे उपस्थित, 691 रहे अनुपस्थित
- ▶▶ लेवल-1 में 5 केंद्रों पर 1517 परीक्षार्थी में से 1218 रहे उपस्थित, 299 रहे अनुपस्थित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को आयोजित हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-एचटेट लेवल-2 व 1 की परीक्षा कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। डीसी वर्षा खांगवाल ने दोनों सत्रों में आयोजित हुई एचटेट की परीक्षा के संपन्न होने तक एक्टिव मोड में मॉनिटरिंग की। परीक्षा के आरंभ होने से संपन्न होने तक उन्होंने झज्जर व बहादुरगढ़ के परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि एचटेट लेवल-2 में बने 14 परीक्षा केंद्रों पर 4332 परीक्षार्थी में से 3641 परीक्षार्थी उपस्थित रहे वहीं 691 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार एचटेट लेवल-1 में 5 परीक्षा केंद्रों पर 1517 परीक्षार्थी में से 1218 परीक्षार्थी उपस्थित हुए जबकि 299 अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर रही प्रशासनिक निगरानी :परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा तथा केंद्रों के आसपास लागू प्रतिबंधात्मक आदेशों का कड़ाई से पालन कराया गया। परीक्षा केंद्रों की निर्धारित परिधि में फोटोस्टेट की दुकानें बंद रही। सभी केंद्रों पर ऑब्जर्वर लगातार निगरानी करते रहे। प्रत्येक अभ्यार्थी को निर्धारित सुरक्षा जांच एवं बायोमैट्रिक सत्यापन के उपरांत ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। नकल रोकने के लिए जैमर एवं सीसीटीवी आधारित निगरानी व्यवस्था पूरी तरह सक्रिय रही। किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने तथा अभ्यार्थियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए डायल-112 सेवा एवं जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम पूरे समय एक्टिव रहा। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल, फ्लाइंग स्क्वायड, ड्यूटी मजिस्ट्रेट, ऑब्जर्वर, सीसीटीवी निगरानी, जैमर, बायोमेट्रिक सत्यापन, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं बिजली की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

झज्जर। परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते डीसी वर्षा खांगवाल।

एचटेट परीक्षा केंद्रों पर अभिभावकों के लिए करवाई बैठने और शीतल जल की व्यवस्था

झज्जर। हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा के दौरान जिला मुख्यालय और आसपास के परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के साथ आए अभिभावकों के लिए विशेष सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि और जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला की देखरेख में कार्यकर्ताओं द्वारा परीक्षा केंद्रों के बाहर परिजनों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गई। इसके साथ ही इस भीषण गर्मी में लोगों को राहत देने के लिए शीतल पेयजल की सेवा उपलब्ध कराई गई। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब दूर-दराज से परीक्षार्थी परीक्षा देने आते हैं, तो उनके साथ आए परिजनों को केंद्रों के बाहर घंटों इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में हमारी एक छोटी-सी पहल भी किसी की प्रतीक्षा को सहज, सुगम और सुखद बना सकती है। मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला ने सभी परीक्षार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य और परीक्षा में सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

बहादुरगढ़ में 3 केंद्रों पर हुई लेवल-2 की परीक्षा, गहन तलाशी के बाद मिला प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को कड़ी सुरक्षा इंतजामों के बीच एचटेट यानी हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा संपन्न हुई। बहादुरगढ़ में मॉडर्न स्कूल, माउंट व्यू स्कूल और बाल विकास स्कूल में बनाए गए केंद्रों पर इवनिंग शिफ्ट में अभ्यर्थियों ने लेवल-2 की परीक्षा दी। परीक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में एसडीएम अभिनव सिवाच ने तीनों केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। परीक्षा केंद्रों के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही और अभ्यर्थियों को गहन तलाशी के बाद ही प्रवेश दिया गया। महिला परीक्षार्थियों को भी सुरक्षा जांच के दौरान विशेष निर्देशों का पालन करना पड़ा। परीक्षार्थियों को केवल पेन, एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला। जिला उपायुक्त वर्षा खांगवाल के अलावा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी लगातार केंद्रों का दौरा करते रहे। परीक्षा के दौरान पुलिस ने केंद्र के आसपास किसी को भी नहीं फटकने दिया। परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी सीसीटीवी कैमरों और वीडियोग्राफी के जरिए की गई, ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र पर व्यवस्था जांचते एसडीएम अभिनव सिवाच।

शरारती तत्वों ने क्षतिग्रस्त की रेडक्रॉस परिसर में खड़ी पार्षद की स्कार्पियो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। रेडक्रॉस परिसर में खड़ी क्षतिग्रस्त स्कार्पियो।

नगर परिषद के वार्ड नंबर 18 के पार्षद जयपाल सिंह की स्कार्पियो गाड़ी को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में पार्षद जयपाल उर्फ पप्पु ने बताया कि वह अपनी स्कार्पियो गाड़ी पुरानी तहसील मोड़ स्थित रेडक्रॉस परिसर में खड़ी करता है। रविवार की सुबह करीब उसे गाड़ी को नुकसान पहुंचाए जाने की सूचना मिली। जब उसने मौके पर पहुंच कर देखा तो किसी शरारती तत्व द्वारा नुकीली वस्तु की सहायता से गाड़ी के तीन टायरों में नुकीली चीज मारकर हवा निकाल दी और उसके आगे का शीशा व साइड लाइट भी टूटी मिली। पार्षद का कहना है कि वह वार्ड जनप्रतिनिधि होने के नाते लोगों की आवाज उठाने का कार्य करते हैं। ऐसे में कुछ लोगों में नाराजगी भी रहती है। इस वारदात देखकर ऐसा लगता है कि उसके साथ भी अप्रिय घटना हो सकती है। उसने पुलिस से घटना को अंजाम देने वाले लोगों का पता लगाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

करंट की चपेट में आने से बेसहारा गोवंश की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में रविवार दोपहर हुई तेज बरसात के दौरान सीताराम गेट के निकट एक दर्दनाक हादसे में ट्रांसफार्मर के करंट की चपेट में आने से एक बेसहारा गौवंश की मौत हो गई। घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। उन्होंने इसकी सूचना गोशाला संचालकों तथा नगर परिषद अधिकारियों को दी गई।

स्थानीय निवासी कपिल, मोहन, मनोज आदि ने बताया कि बरसात के कारण सड़क पर पानी भर गया था। इसी दौरान ट्रांसफार्मर के पास अर्थिंग का करंट फैल गया, जिसकी चपेट में एक गौवंश आ गया। करंट लगने से गोवंश ने कुछ ही क्षणों में दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना की सूचना मिलने पर नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची और मृत गौवंश को अपने साथ ले गई। घटना के बाद लोगों ने ट्रांसफार्मरों के आसपास सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की। लोगों का कहना है कि बिजली निगम की ओर से शहर में कई स्थानों पर ट्रांसफार्मरों के चारों तरफ लोहे के जाल लगाए गए हैं, लेकिन जिस स्थान पर यह हादसा हुआ वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है।

इसके अलावा गेट के सामने नगर परिषद कर्मचारियों व अन्य लोगों द्वारा कूड़ा-कर्कट भी डाला जाता है, जिसके कारण बेसहारा गौवंश अक्सर वहां भोजन की तलाश में पहुंचते हैं। ऐसे में करंट फैलने जैसी घटनाएं पशुओं व आमजन के लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं।

झज्जर। करंट की चपेट में आने से ट्रांसफार्मर के साथ मृत पड़ा गौवंश।

एचटेट परीक्षा के दिन जलभराव से परीक्षार्थियों और अभिभावकों को उठानी पड़ी भारी परेशानी

बारिश ने खोली प्रशासन के दावों की पोल, शहर की सड़कें बनीं तालाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जलभराव से गुजरते वाहन।

रविवार करीब दोपहर हुई बारिश ने प्रशासन के जलनिकासी संबंधी दावों की पोल खोलकर रख दी। करीब बीस मिनट की बारिश के दौरान ही शहर की प्रमुख सड़कें, चौक-चौराहे और परीक्षा केंद्रों के आसपास के क्षेत्र जलमग्न हो गए। जगह-जगह पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के माता गेट, सीताराम गेट, अंबेडकर चौक, छिकारा चौक से धौड़ चौक, पुराना बर्फखाना मार्ग सहित अधिकांश क्षेत्रों में एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। सुबह के सत्र की परीक्षा देकर केंद्र से बाहर निकले परीक्षार्थियों को भी काफी परेशानी हुई। उन्हें पानी के बीच से बाहर निकलना पड़ा। सड़कें बनी तालाबः थोड़ी देर की बरसात में ही प्रशासन के जलनिकासी के दावे दम तोड़ते हुए दिखाई दिए। सड़कों ने तालाब का रूप धारण कर लिया। जिसके कारण यातायात प्रभावित रहा और वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बरसात रूकने के करीब चार घंटे बाद जलभराव से निजात मिली। लेकिन अग्रसेन चौक, नीमआली कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर जलभराव कम नहीं हुआ। जिसके कारण लोग प्रशासन को कोसते हुए दिखाई दिए। लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम से पहले नालों की सफाई तथा जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में हालात बदतर हो जाते हैं। लोग बोले की शहर के कई हिस्सों में वर्षों से जलभराव की समस्या है, लेकिन कोई समाधान नहीं किया जा रहा।

शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली रही गुल

झज्जर। रविवार दोपहर हुई तेज बरसात के बाद शहर के सीताराम गेट, बेरी गेट, दिल्ली गेट सहित कई क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था बाधित रही। बारिश के दौरान आई तकनीकी खराबी के कारण कई घंटों तक बिजली गुल होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे में जहां लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया वहीं बाजार में बिजली उपकरण संबंधी दुकानों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए। सीताराम गेट निवासी राकेश व मुकेश आदि ने बताया कि बारिश रुकने के बाद भी लंबे समय तक बिजली बहाल नहीं हो पाई। उमस भरी गर्मी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को विशेष रूप से कठिनाई झेलनी पड़ी। बिजली न होने से कूलर, पंखे और अन्य विद्युत उपकरण बंद रहे, जिससे लोगों को भारी परेशानी आई। कई दुकानदारों का कहना है कि बिजली बाधित रहने से उनका कारोबार भी प्रभावित हुआ और ग्राहकों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

दिनभर छाए रहे बादल, बरसात भी हुई

बहादुरगढ़। इलाके में रविवार की शुरुआत में आसमान में छाए हुए बादलों के साथ हुई। सुबह दस बजे तक तो उमस हावी रही लेकिन इसके बाद बरसात शुरू हुई। कुछ ही देर में 7.6 एमएम बरसात दर्ज की गई। इसके बाद मौसम खुशनुमा हो गया। ठंडी हवा चली और उमसभरी गर्मी से आशिंक राहत मिली। दोपहर को तीन बजे भी फुव्वार शुरू हुई। शाम तक आसमान में घने बादल छाए हुए थे। बरसात के आसार बने हुए थे। बरसात के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

जलभराव पर नागरिक मंच ने जताई चिंता

बहादुरगढ़। नागरिक मंच ने शुरुआती बरसात में ही शहर की गलियां-नाले ओवरफ्लो होने पर चिंता जताई है। जयकरण मांडोठी व रामकिशन के अनुसार सेक्टर-6 के नाले गंदगी से भरे हैं और सड़कों पर गड्ढों की भरमार है। लाइनपार के बराही फाटक पर रविवार को तालाब जैसे हालात बन गए थे। सुभाष नगर, शंकर गार्डन और सुभाष नगर एक्सटेंशन में तो सीवर ओवरफ्लो की समस्या है। मुरारी लाल, राजेंद्र सिंह, बंटी, हवा सिंह, जसवंत सिंह, दीपक कुमार, सुरेंद्र कुमार व स्वरूप सिंह आदि ने जलनिकासी के पर्याप्त इंतजाम करने की मांग दोहराई।

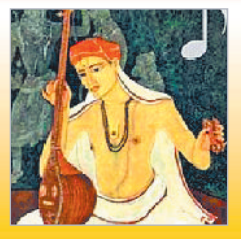

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

> भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल — सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नज़र म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता — भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे म्हेम बावले।

काया दमकै योग करां तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि — कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

> *इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।*

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की जरूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

> एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

मेट्रो के नीचे डिवाइडर पर तीस कनेर एवं टीकोमा के पौधे लगाए

दो वर्ष पहले लगाए गए पौधे अब बड़े होकर फूलों से क्षेत्र की सुंदरता बढ़ा रहे : संजय कलसन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। डिवाइडर पर पौधे लगाते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति ने रविवार को दिल्ली-रोहतक रोड पर ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन से टाटा शोरूम तक पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान मेट्रो के नीचे डिवाइडर पर 30 कनेर और टीकोमा के पौधे लगाए गए।

समिति के प्रधान संजय कलसन ने बताया कि संस्था पहले भी यहां पौधरोपण कर चुकी है। दो वर्ष पहले लगाए गए पौधे अब बड़े होकर फूलों से क्षेत्र की सुंदरता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। समिति के सदस्य भूप सिंह ने कहा कि बारिश का मौसम पौधरोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय है। वहीं, मनीष मास्टर और रामकरण ने कहा कि पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। समिति सभी पौधों की सिंचाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी निभाएगी। अभियान में समिति के अन्य सदस्यों और पर्यावरण प्रेमियों ने भी भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। समिति के प्रधान संजय कलसन ने कहा कि बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए पौधरोपण के अलावा और काई विकल्प नहीं है। हमें अपने जीवन के हर शुभ अवसर पर पौधरोपण अवश्य करना चाहिए।

गांव कानोंदा की फिरनी वाले रोड को बनवाने की मांग

■ कानोंदा को कुलासी, जसौरखेड़ी और लडरावन से जोड़ती है गांव की फिरनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कानोंदा की कच्ची फिरनी दिखाते बिजेंद्र लुखड़। फोटो : हरिभूमि

गांव कानोंदा की फिरनी वाले रोड को पूरा करवाने के लिए एक बार फिर ग्रामीणों ने मांग उठाई है। यह फिरनी गांव कानोंदा को कुलासी, जसौरखेड़ी और लडरावन से जोड़ती है।

बिजेंद्र सिंह लुखड़ ने बताया कि गांव में दाखिल होने से पहले अरविंद फॉर्म के सामने से निकल रही फिरनी जग साला तालाब से लेकर कुलासी रोड तक बमुश्किल 500 मीटर लंबी होगी। इसके निर्माण से ग्रामीणों को काफी फायदा होगा। बिजेंद्र लुखड़ ने इसे जल्द से जल्द बनवाने की मांग करते हुए कहा कि यह रास्ता बिल्कुल खस्ताहाल है। इस पर पैदल चलना भी मुश्किल है और बारिश के समय में यहां पर पानी भर जाता है। जिस कारण इस रास्ते पर आना-जाना बिल्कुल बंद हो जाता है।

उन्होंने विधायक राजेश जून से भी इस फिरनी को पक्का करवाने की मांग की है। ग्रामीण श्रीचंद महाराज, साहिल, भारत सिंह, नरेश कुमार, सतीश कुमार और सोनू आदि ने ग्रामीणों के हित में इस फिरनी को पक्का करवाने की मांग की है।

पंडित लख्मीचंद की जयंती पर धर्मशाला परिसर में 15 जुलाई को हवन होगा

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते धर्मशाला समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को लाइनपार स्थित सूर्य कवि पंडित लख्मीचंद धर्मशाला समिति के सदस्यों की बैठक हुई। बैठक में गत वर्ष का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। प्रधान प्रवीण शर्मा और महासचिव सतीश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में ब्राह्मण कल्याण आयोग का गठन किया जाए। पंडित लख्मीचंद की जयंती पर धर्मशाला परिसर में 15 जुलाई को हवन होगा। नवंबर में हरियाणवीं सांग के आयोजन के बारे भी चर्चा हुई।

बैठक में राजपाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, हरिओम हरितश, रमेश कुमार, मामन राम, मंजीत पाराशर, राजकुमार वशिष्ट, पवन दीक्षित, बिल्लू पंडित, दीपक राज, संदीप पाराशर, राजेश बंटी, मनोज भारद्वाज, सुमित अत्री, अतर सिंह, कृष्ण चंद्र, अशोक कौशिक, बिजेंद्र भारद्वाज, मास्टर रमेश दीक्षित व बिशन सिंह आदि उपस्थित रहे।

गाड़ियों को निर्धारित समय पर चलाने और मासिक पास चालू कराने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गाड़ी 14737 और 54423 के रोजाना देरी से चलने के कारण नौकरीपेशा लोग समय पर अपने कार्यस्थल नहीं पहुंच पा रहे

दिल्ली-रोहतक रेल लाइन पर सफर करने वाले दैनिक यात्रियों ने ट्रेनों के लगातार विलंब और मासिक सीजन टिकट बंद होने से हो रही परेशानी को लेकर आवाज उठाई है। यात्रियों का कहना है कि गाड़ी संख्या 14737 और 54423 के रोजाना देरी से चलने के कारण महिलाएं, बुजुर्ग, युवा तथा नौकरीपेशा लोग समय पर अपने कार्यस्थल नहीं पहुंच पा रहे हैं।

दैनिक रेल यात्री संघ रोहतक-दिल्ली के महासचिव विजय कुमार ने बताया कि गत 20 मई 2026 से रेलवे ने ऑफलाइन एमएसटी पास बनाना बंद कर दिया है और केवल ऑनलाइन व्यवस्था लागू की गई है। इससे मोबाइल ऐप का उपयोग नहीं कर पाने वाले यात्री विशेषकर बुजुर्ग और कम पढ़े-लिखे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दैनिक यात्रियों ने यह भी मांग उठाई है कि दोनों ट्रेनों में डिब्बों की संख्या 14 से बढ़ाकर 22 की जाए, ताकि लोगों को भीड़भाड़ से राहत मिल सके और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित हो। कुल 155 दैनिक यात्रियों ने अपनी समस्याओं को लेकर संघ के माध्यम से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में ट्रेनों का समय पर संचालन, मासिक पास की सुविधा फिर से शुरू करने और यात्रियों की अन्य समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की गई है। ज्ञापन पर राजेंद्र, जगदीश, ओमप्रकाश, उमेश, लालाराम, सत्यदेव, प्रदीप आदि ने हस्ताक्षर किए हैं।

परनाला में शतीश नंबरदार को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव परनाला में नंबरदार एसोसिएशन के चेयरमैन शतीश नंबरदार का राठी खाप के प्रधान रणबीर राठी, सरपंच एसोसिएशन के प्रधान अशोक राठी समेत ग्रामवासियों द्वारा स्वागत किया गया। नंबरदार को बीते दिनों लंदन में हुए ग्लोबल ब्रांड एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स-2026 में उन्हें प्रतिष्ठित सोशल वर्कर ऑफ द ईयर सम्मान दिया गया था। गांव परनाला में पहुंचने पर शतीश राठी नंबरदार का जोरदार स्वागत किया गया। राजकुमार राठी ने शतीश को नोटों की माला के साथ शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। शतीश राठी ने कार्यक्रम में मिली नोटों की माला के साथ अतिरिक्त धनराशि राठी खाप के चबूतरे को भेंट की। इस अवसर पर ओमप्रकाश, प्रीतम, राजा फौजी, सचिन, रामकरण, जगबीर, जोगी, राजेश सरपंच, बलबीर राठी, जयकंवार राठी, धर्म सिंह नबंरदार, उमेद नंबरदार, कृष्ण राठी, जयभगवान नंबरदार, जोगेंद्र नंबरदार, एडवोकेट गौरव राठी व पंकज राठौड़ आदि मौजूद रहे।

कैमरे की नजर में एचटेट परीक्षा

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र के गेट पर सीटिंग प्लान चेक करते परीक्षार्थी।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की आईडी चेक करते कर्मचारी।

बहादुरगढ़। परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की आईडी चेक करते कर्मचारी।

झज्जर। एचटेट परीक्षा के दौरान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। परीक्षा केंद्र के बाहर लगी परीक्षार्थियों की लंबी कतार। फोटो : हरिभूमि

गांधी कैंप में नशेड़ियों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के गांधी कैंप में शनिवार देर रात अज्ञात असामाजिक तत्वों ने 7 से 8 वाहनों में जमकर तोड़फोड़ कर दी। हमलावरों ने सड़क किनारे खड़ी कारों और ई-रिक्शा को निशाना बनाते हुए उनके शीशे तोड़ दिए, जबकि एक वाहन की हेडलाइट भी क्षतिग्रस्त कर दी।

घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित राहुल ने बताया कि रात करीब दो बजे उन्हें सूचना मिली कि उनकी कार के शीशे तोड़ दिए गए हैं। जब वह मौके पर पहुंचे तो कार के दोनों ओर के शीशे पूरी तरह टूटे मिले। आसपास देखने पर पता चला कि एक ई-रिक्शा का शीशा भी क्षतिग्रस्त था और पास में खड़ी दूसरी कार की हेडलाइट तोड़ी गई थी। इसके अलावा एक अन्य वाहन को भी नुकसान पहुंचाया गया था। एक ही रात में कई वाहनों को निशाना बनाए जाने से लोगों में डर और गुस्सा दोनों है।

जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष ने दिया कबीरदास जयंती का न्योता

झज्जर। एससी सेल प्रदेशाध्यक्ष रमेश खटक का स्वागत करते हुए जेजेपी कार्यकर्ता।

संत कबीरदास के विचार और उनकी शिक्षाएं आज भी अत्यंत प्रासंगिक: रमेश खटक

12 जुलाई को रोहतक में मनाई जाने वाली जयंती का न्योता दने पहुंचे झज्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जेजेपी एससी सेल के प्रदेशाध्यक्ष रमेश खटक आगामी बारह जुलाई को रोहतक में मनाई जाने वाली कबीर जंयती का न्योता देने रविवार को झज्जर पहुंचे।

र उन्होंने शहर सहित निकटवती क्षेत्रों का दौरा करते हुए समाज के प्रबुद्धजनों, युवाओं और बुजुर्गों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। क्षेत्र के बरहाणा गांव में जनसमूह को संबोधित करते हुए रमेश खटक ने कहा कि संत कबीरदास के विचार और उनकी शिक्षाएं आज भी अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने हमेशा समाज में समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। हमारा उद्देश्य कबीर साहेब के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज को एक सूत्र में पिरोना है। दौरे के दौरान उन्होंने स्थानीय कमेटियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे घर-घर जाकर लोगों को इस पावन पर्व का निमंत्रण दें।

इस मौके पर एससी सेल जिलाध्यक्ष नसीब भारतीय, उपेंद्र कादियान, अजय गुलिया, डॉक्टर विकास पाराशर, मिंटू ठेकेदार, मनोज पांचाल, भूपेंद्र गहलावत, प्रवेश निमाणा, बिल्लू भदानी, श्रीराम दहिया, राजेश महराना, मुकेश भारतीय सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

एमडीयू में शिक्षक संघ के चुनाव आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विवि शिक्षक संघ (मडूटा) के चुनाव में अध्यक्ष व सचिव पद पर मतदान होगा, जबकि कोषाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध चुने गए हैं। मतदान सोमवार को होगा। मडूटा प्रशासक एवं चुनाव अधिकारी प्रो. वजीर नेहरा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए डॉ. प्रदीप गहलोत (यूआईईटी), डॉ. हरकेश सहरावत (यूआईईटी) व डॉ. वनीता रोज (शिक्षा विभाग) के आवेदन आये हैं, वहीं सचिव पद के लिए डॉ. महेश कुमार (फार्मास्युटिकल साइंसेज) और डॉ. सपना शर्मा (फॉरेंसिक साइंस) ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

उन्होंने बताया कि कोषाध्यक्ष पद पर अरुण हुड्डा, यूआईईटी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए डॉ. नवीन खटक, डॉ. अनिल सांगवान, डॉ. गोल्डी पुरी, डॉ. दिव्या, डॉ. राजेश, डॉ. सविता राठी, डॉ. सपना तथा डॉ. महेंद्र भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं।

शाम ढलते ही तीन इलाकों में छापे से हड़कंप, 15 पकड़े

बिजली चोरी: पांच लाख का जुर्माना लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में बढ़ती बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए बिजली निगम ने छुट्टी के दिन भी विशेष अभियान चलाया। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता (एसई) बिजेंद्र नरवाल के निर्देश पर गठित चार विशेष टीमों ने शाम के समय शिवाजी कॉलोनी, बड़ा बाजार और माता दरवाजा क्षेत्र में एक साथ छापेमारी की। अचानक हुई कार्रवाई से कई इलाकों में हड़कंप मच गया। कई लोग मीटर और बिजली कनेक्शन को लेकर सफाई देते नजर आए, लेकिन जांच के दौरान टीमों ने 15 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। बता दें कि निगम अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान कहीं सीधे तार डालकर बिजली का उपयोग किया जा रहा था तो कहीं मीटर से छेड़छाड़ कर खपत कम दिखाई जा रही थी। कुछ मामलों में घरेलू कनेक्शन का उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए भी किया जा रहा था। टीमों ने मौके पर ही सभी मामलों का रिकॉर्ड तैयार किया और संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान पकड़े गए 15 उपभोक्ताओं पर कुल करीब पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा दो मामलों में बिजली चोरी गंभीर पाए जाने पर संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर दी गई। निगम अधिकारियों का कहना है कि जुर्माना जमा नहीं कराने या नियमों का पालन नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ आगे भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

चार-चार टीमों का गठन

बिजली चोरी रोकने के लिए चार-चार टीमों का गठन किया गया है, जो अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार औचक निरीक्षण कर कार्रवाई कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अभियान केवल छुट्टी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले दिनों में पूरे शहर में नियमित रूप से छापेमारी की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे वैध बिजली कनेक्शन का ही उपयोग करें और समय पर बिल जमा करें। यदि किसी क्षेत्र में बिजली चोरी की जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना निगम को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

कार्रवाई जारी रहेगी

लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से बिजली चोरी पर अंकुश लगेगा बिजली निगम की इस कार्रवाई के बाद जिन इलाकों में छापेमारी हुई, वहां दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा। अधिकारियों का मानना है कि लगातार हो रही ऐसी कार्रवाइयों से बिजली चोरी पर अंकुश लगेगा और राजस्व में बढ़ोतरी होगी। निगम ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी शहर के किसी भी क्षेत्र में बिना पूर्व सूचना के छापेमारी की जा सकती है।

-एसई बिजेंद्र नरवाल

बहादुरगढ़। श्रीओम अहलावत के निधन पर शोक जताते पवन खेड़ा। फोटो : हरिभूमि

श्रीओम अहलावत के निधन पर शोक जताया

बहादुरगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रीओम अहलावत के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा रविवार को उनके बहादुरगढ़ स्थित निवास पर पहुंचे। पवन खेड़ा ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। बता दें कि मूल रूप से गांव बहराणा निवासी श्रीओम अहलावत का 30 जून को निधन हो गया था। बेरी के विधायक रघुवीर सिंह कादियान समेत अनेक लोगों ने उनके निधन पर शोक जताया। श्रीओम के भाई कृष्ण पहलवान जिला पार्षद के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

खबर संक्षेप

झज्जर। आंबेडकर चौक पर लगी भुट्टे की रेहड़ी।

बरसात के बाद भुट्टे की बिक्री ने पकड़ा जोर

झज्जर। बरसात के बाद शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर भुनी हुई मक्का अर्थात भुट्टों की बिक्री ने भी जोर पकड़ा है। हालांकि पिछले एक सप्ताह से भुट्टा विक्रेता रेहड़ी लगाकर भुट्टे बेच रहे हैं, लेकिन पिछले एक-दो दिन पहले हुई बूंदाबांदी व रविवार को आई तेज बरसात के बाद भुट्टों की बिक्री में इजाफा हुआ है। भुट्टा विक्रेता इस मौसम में अपनी आमदनी को लेकर काफी उत्साहित हैं। भुट्टों की मांग ने विक्रेताओं को खुश कर दिया है। उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में यह बिक्री ओर अधिक जोर पकड़ेगी। आजकल विक्रेताओं द्वारा तीस रुपये प्रति पीस की दर से भुट्टा बेचा जा रहा है।

बाल पुरस्कार के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 तक

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि बच्चों की प्रतिभा को

पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे 31 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देश के सर्वोच्च बाल सम्मान में शामिल है। जिसके माध्यम से उन बच्चों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने कम उम्र में अपनी असाधारण प्रतिभा, लगन, मेहनत और उपलब्धियों से समाज व देश के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सड़कों को आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में नप ने सराहनीय कदम उठाया

ढाई करोड़ की लागत से जगमग होंगी शहर की सड़कें, लगेंगे डेकोरेटिव पोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर की सड़कों को आधुनिक और आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में नगर परिषद ने सराहनीय कदम उठाया है। करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से शहर के प्रमुख मार्गों पर आधुनिक डेकोरेटिव पोल लगाए जाएंगे। इस कार्य के पूरा होने के बाद न केवल शहर की सड़कें रात के समय जगमग नजर आएंगी, बल्कि शहर की सुंदरता में भी बढ़ोतरी होगी। नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने बताया कि गुरूग्राम मार्ग पर अमित देशवाल चौक तक, महाराजा अग्रसेन चौक से रमेश गैस एजेंसी मार्ग तक और बहादुरगढ़ मार्ग पर फ्लाईओवर तक लाईटें लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस कार्य में करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत आएगी। जिसके टेंडर लगा दिए गए है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद कार्य शुरू किया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा शहर के बाहरी और अंदर के क्षेत्रों में करीब 16 हाई मॉस्ट लाईटें भी लगाई जा रही है।

सिटी पल्स

झज्जर। शहर का गुरुग्राम मार्ग जहां से प्रोजेक्ट की होगी शुरुआत। फोटो : हरिभूमि

सुरक्षा व्यवस्था में होगा सुधार

जिला व्यापार मंडल के प्रधान केशव सिंगल ने कहा कि नगर परिषद की सराहनीय पहल है। इससे सुरक्षा व्यवस्था में और अधिक सुधार होगा। व्यापारियों के साथ साथ आमजन को भी इसका लाभ होगा। इस प्रोजेक्ट से शहर की सुंदरता भी बढ़ेगी।

शहर के सौंदर्यीकरण को लगेंगे चार चांद

मुकुल कौशिक ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से शहर की सुंदरता में इजाफा होगा। शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर आधुनिक लाईटें लगने से वाहन चालकों को भी आसनी होगी। ऐतिहासिक शहर में आधुनिकता की झलक दिखेगी।

आपराधिक गतिविधियों पर लगेगा अकुंश

संजय सहगल ने कहा कि प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद बेहतरीन लाइटिंग व्यवस्था सुनिश्चित होगी। जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को सुविधा मिलेगी। साथ ही अंधेरे वाले स्थानों पर होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

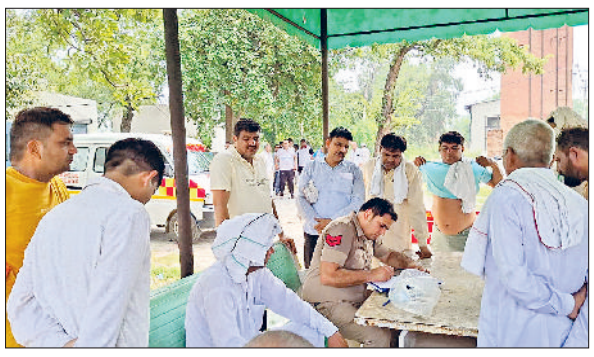

झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

बिरधाना गांव में करंट लगने से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव बिरधाना में करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब बीस वर्षीय प्रियांशु पुत्र रामबीर के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार प्रियांशु खेती बाड़ी का कार्य करता था और शनिवार को खेत में पानी लगाने के लिए गया था। दोपहर बाद करीब तीन बजे मोटर चलाते समय वह करंट की चपेट में आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। रविवार को पुलिस द्वारा मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। मामले के जांच अधिकारी प्रवीण ने बताया कि इस संबंध में परिजनों के बयान पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

राज राजेश्वरी मंदिर में सुंदरकांड का पाठ

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-2 में स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में सुंदरकांड का पाठ किया गया। महिला संकीर्तन मंडली से जुड़ी पूजा शर्मा, कुसुम लता कौशिक, रश्मि आधार, अंजू, मंजु गुप्ता व शारदा रानी ने संगीतमय सुंदर कांड पाठ के साथ भजन संकीर्तन किया। मंदिर अधिष्ठाता स्वामी गणेशानंद ने सद्गुणों का पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लता तुषीर, तारा रानी, नीना वत्स, सुनीता पराशर, ऊषा जून, प्रमोद राजपूत, अश्वनी शर्मा, रामनिवास बंसल, राजबीर दलाल, दिनेश खोखर, भूप सिंह व पवन सैनी आदि उपस्थिति रहे।

विधायक ने वार्ड-31 में सुनीं जनसमस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने रविवार को वार्ड-31 में स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। पार्षद प्रतिनिधि सिकंदर और वार्डवासियों ने विधायक का स्वागत किया और वार्ड नंबर-31 से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों की मांग विधायक के समक्ष रखी।

विधायक राजेश जून ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों के माध्यम से उनका जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। जून ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बहादुरगढ़ के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। क्षेत्र के विकास के लिए चंडीगढ़ भेजे जा रहे एस्टीमेटों को सीएम द्वारा त्वरित मंजूरी दी जा रही है। परिणामस्वरूप हलके में लगातार विकास कार्यों का शुभारंभ और उद्घाटन हो रहा है। मुख्यमंत्री के सहयोग और आशीर्वाद से बहादुरगढ़ तेजी से विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। इस अवसर पर हंशु, रण सिंह छिकारा, राजेश हवलदार, दिनेश कसार, भूप सिंह, बल्ले, नरेश पाखली, जतिन, अशोक, बलवान, कृष्ण, प्रिंस, करतार सिंह तूर, विनोद, रामू, सुदर्शन, संतोष, संजू, विपिन, नरेश, सुशील, नरेश छिकारा, धर्मे, दलबीर, सुनीता, गीता, सुनील, सावित्री, उर्मिला, विक्की, रघुवीर, रणबीर दलाल आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-31 में हुए कार्यक्रम में मंचासीन विधायक राजेश जूनन।

पानी आया तो पूर्व विधायक का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

लाइनपार स्थित सेक्टर-28 की फोर्टेसिया कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान होने पर वार्ड पार्षद रजनीश उर्फ मोनू के नेतृत्व में आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने पूर्व विधायक राजेंद्र जून का सम्मान कर आभार व्यक्त किया।

आरडब्ल्यूए प्रधान जगबीर दलाल ने बताया कि फोर्टेसिया कॉलोनी में पेयजल आपूर्ति की गंभीर समस्या को लेकर उन्होंने पार्षद रजनीश उर्फ मोनू से संपर्क किया था। तत्कालीन विधायक राजेंद्र जून ने जलघर से लाइनपार क्षेत्र तक मुख्य पाइप लाइन बिछाने और बूस्टिंग स्टेशन के निर्माण के लिए एचएसवीपी से करीब 20 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत करवाया।

परियोजना पूरी होने के बाद कुछ दिन पहले ही फोर्टेसिया कॉलोनी में नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू हो गई है, जिससे लोगों को राहत मिली है। पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि जनहित से जुड़े कार्य हमेशा उनकी प्राथमिकता रहे हैं। फोर्टेसिया सहित लाइनपार क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना बेहद जरूरी था। भविष्य में भी क्षेत्र के विकास के लिए उनका सहयोग लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर संदीप बड़क, बिजेंद्र, महिपाल देशवाल, संजय भौरिया, दीपक ग्रोवर, नरेश ग्रोवर, डॉ. प्रदीप, विजय, अमित, राजेंद्र डरबन, संजय अहलावत, इंद्र, बलजीत, करण सहित आदि उपस्थित रहे।

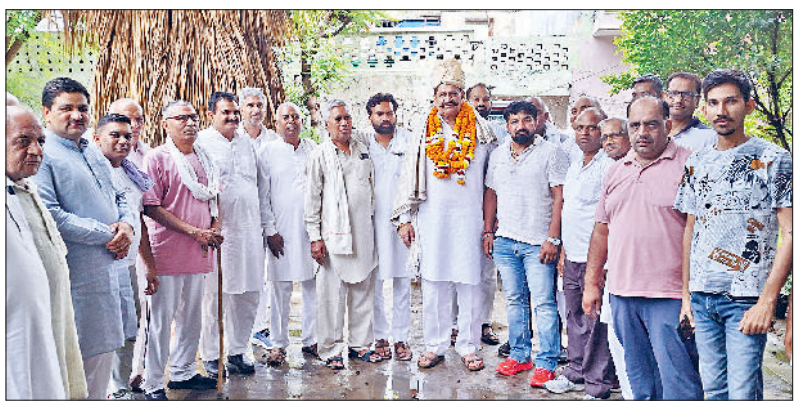

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक राजेंद्र जून का आभार जताते फोर्टेसिया निवासी। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नरेश जून को स्मृति चिह्न भेंट करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

मंदिर निर्माण पर ग्रामीणों से की चर्चा

बहादुरगढ़। गांव जसोरखेड़ी में मंदिर निर्माण को लेकर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता नरेश जून ने भी शिरकत की। आयोजकों ने उनका स्वागत करने के साथ ही स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने मंदिर के निर्माण कार्य को लेकर विस्तार से चर्चा की। उनके अनुसार मंदिर का पुनर्निर्माण गांव की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को अधिक मजबूत करेगा।

आर्य समाज झज्जर की कार्यकारिणी का त्रिवार्षिक चुनाव

लाला प्रकाशवीर गर्ग सर्वसम्मति से बने आर्य समाज झज्जर के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को आर्य समाज झज्जर की कार्यकारिणी का त्रिवार्षिक चुनाव हुआ। गुरुकुल महाविद्यालय के अधिष्ठाता आचार्य विजयपाल की अध्यक्षता और चुनाव अधिकारी श्रीकिशन गौतम की निगरानी में हुए चुनाव में लंबे समय से आर्य समाज के महामंत्री का पद संभाल रहे लाला प्रकाशवीर गर्ग को सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्ष के लिए प्रधान नियुक्त किया गया। आचार्य विजयपाल ने लाला प्रकाशवीर का अभिनंदन किया और नई जिम्मेदारी सौंपी। बाद में अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए लाला प्रकाशवीर ने नरेश देशवाल को महासचिव, दीपक आर्य को सह-सचिव, रमेश सैनी को कोषाध्यक्ष, अनुज और विनीत को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया। वहीं रिटायर्ड प्रिंसिपल डॉक्टर आजाद सिंह दुहन, राजीव आर्य, लाला सूर्यप्रकाश आर्य, लाला रामवतार सिंघल, सतपाल देशवाल और संजय गोयल को समाज का संरक्षक बनाया गया। लाला प्रकाशवीर ने कहा कि आर्य समाज और इसमें निहित शिक्षाओं के प्रसार के लिए उनकी कार्यकारिणी पूरी मेहनत और लगन से काम करते हुए समाज को नए आयाम देगी। उन्होंने आर्य समाज भवन के हो रहे पुनर्निर्माण की रूप रेखा भी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की। इस मौके पर जितेंद्र बरानी, सत्यदेव आर्य, कृष्णदत्त शास्त्री, अंकित, आचार्य शक्तकृतु, अरविंद गार्गी, विनीत सैनी, ब्रह्मचारी इंद्रजीत सहित अन्य आर्यजन उपस्थित रहे।

- आर्य समाज भवन के पुनर्निर्माण की रूप रेखा भी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत की

झज्जर। चुनाव के दौरान उपस्थित आर्यजन। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

अभियान जिला प्रशासन निभा रहा उल्लेखनीय भूमिका

गणना प्रपत्रों का एप पर डिजिटाइजेशन एसआईआर प्रक्रिया का अहम हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर प्रक्रिया में जिला प्रशासन उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल के नेतृत्व में सभी ईआरओ-एईआरओ व सुपरवाइजर सहित बीएलओ मतदाताओं से सीधा संपर्क करते हुए गणना प्रपत्रों को भरवाकर एप पर डिजिटाइजेशन कार्य करने में प्रभावी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। 14 जुलाई तक जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं से गणना प्रपण भरवाकर उनका डिजिटाइजेशन कर दिया जाएगा।

डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि मतदाता सूचियों को अधिक सटीक और अपडेट बनाने के उद्देश्य से 14 जुलाई तक विशेष गणना प्रपत्र भरवाने व डिजिटाइजेशन करने का अभियान चलाया जा रहा है। बीएलओ लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं, ताकि सभी पात्र नागरिकों का विवरण सही रूप में मतदाता सूची में दर्ज किया जा सके।

झज्जर। एसआईआर प्रक्रिया के चलते गणना पत्रों का एप पर डिजिटाइजेशन करते हुए बीएलओ। फोटो : हरिभूमि

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आज

सोमवार को मतदाता सूचियों के एसआईआर प्रक्रिया के मद्देनजर डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल बैठक लेंगी। बैठक में जिला के सभी निर्वाचक पंजीयन अधिकारी, सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी, जिला के सभी अतिरिक्त सहायक पंजीयन अधिकारियों के साथ ही मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है। जिसमें एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विचार विमर्श, समीक्षा करने के साथ ही प्रक्रिया को प्रभावी रूप से पूर्ण करने बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

28 दिन में 730 किलोमीटर दौड़कर चैंपियन बनी सोनिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

भीषण गर्मी के बावजूद बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप की अल्ट्रा रनर सोनिया राणा ने 31 मई से 27 जून तक आयोजित 28 दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल रनिंग चैलेंज के दूसरे सीजन में महिला वर्ग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत के साथ ही विदेशों के धावकों ने भी भाग लिया था।

बेहद गर्मी के बीच सोनिया राणा ने बिना एक भी दिन रुके लगातार 28 दिनों तक दौड़ लगाई और 730.02 किलोमीटर की दूरी पूरी कर महिला वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर ने बताया कि सोनिया राणा एक समर्पित और अनुभवी अल्ट्रा रनर हैं। इससे पहले भी उन्होंने 12 घंटे की स्टेडियम अल्ट्रा रन में 95 किलोमीटर की दूरी पूरी कर द्वितीय स्थान प्राप्त कर किया था। अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कर उन्होंने अपनी प्रतिभा सिद्ध की। उनकी उपलब्धि से बीआरजी ही नहीं बल्कि बहादुरगढ़ का हर नागरिक गर्व महसूस कर रहा है। सोनिया की सफलता युवा धावकों, विशेषकर महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। सोनिया राणा की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बीआरजी सदस्यों, खेल प्रेमियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सोनिया राणा